

مناقشة قول ابن باز في اشتراطه الاستحلال لکفر من بدل شريعة **الرحمن**

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
فقد وردني سؤال من أحد الإخوان يقول فيه: ورد
في الحوار الذي تم في شريط " الدمعة البارية " بين
الشيخ ابن باز رحمه الله وبين بعض المشايخ حول
مسألة الحكم بغير ما أنزل الله، هذه بعض المقططفات
منه، مع عدم مراعاة الترتيب، ويمكنكم الرجوع إليه
كاملاً عبر هذا الرابط:

www.alsunah.net/vb/showthread.php?threadid=1880

قال أحد الحضور: ما الدليل على كون الكفر
المذكور في القرآن أصغر حفظكم الله تعالى

ما أنت إلا كاذب .. ما أنت إلا مدع .. ما أنت إلا باطل ..
ما أنت إلا ظالم .. ما أنت إلا مُضل .. ما أنت إلا مُؤثر ..
ما أنت إلا ضال .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..

ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..
ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل .. ما أنت إلا مُنْجَل ..

.....
.....
.....
.....
.....

!!
!!

.....
.....

"..... :
..... :"
!!.. "

..... :
..

..... ..
..... ..
!!

:
..
!!..

!!..

..... :
..... ..
.....

!!..

..... ..
..... ..
!!

.....
.....
.....

:
.....

. .
..

!!..
!!

.. -
..

:
!!..

ମୁହାମ୍ମଦ ପାତ୍ରକାରୀ ଏବଂ ଲାଭକାରୀ ଏବଂ ପାତ୍ରକାରୀ ଏବଂ ଲାଭକାରୀ ଏବଂ
! " ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର :ଏହା
! ! .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର :ଏହାର
:ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
.ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
.ଏହା -
.. ଏହାର ଏହାର ଏହାର :ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର
! ! .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
.. ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର .. ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର ଏହାର
ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର .. ଏହାର ଏହାର ଏହାର
. ଏହାର ଏହାର .. ଏହାର .. ଏହାର ..
.ଏହାରର ଏହାର ଏହାର ଏହାର

ଏହା

.ଏହା ଏହା ଏହା

ଏହାର ଏହାର ଏହାର

.ଏହା ଏହା ଏହା

ଏହାର ଏହା

www.abubaseer.com